नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में होगी बी.ए. ऑनर्स की पढ़ाई

बी.एड., एम. एड. जनसंचार, फिल्म, नाटक, मनोविज्ञान, एमबीए, विदेशी भाषा में भी अध्ययन

वर्धा, 23 मई 2017:

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में इस वर्ष अनेक नए पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होगी जिसमें मुख्य रूप से बी. ए. ऑनर्स शामिल है। हिंदी, अंगेजी, भाषाविज्ञान, पत्रकारिता, और मनोविज्ञान इन विषयों में

बी. ए. ऑनर्स का अध्ययन होगा।

विश्वविद्यालय में एम.ए., एमबीए, एम.एड., एम.एस. डब्ल्यू., बी.एड., एम.एड. (एकीकृत) बी. वोक., की पढ़ाई पहले से हो रही है। इनमें भाषा प्रौद्योगिकी, इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, प्रयोजनमूलक हिंदी एवं भाषा प्रबंध, उर्दू, मराठी, अंग्रेजी, संस्कृत, मास्टर ऑफ परफार्मिंग आर्टस (फिल्म एवं नाटक), गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध

अध्ययन, अनुवाद अध्ययन, प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन, जनसंचार, मानवविज्ञान, एमएसडब्ल्यू, शिक्षाशास्त्र, मनोविज्ञान में एम.ए. तथा एमबीए, बी.एड., एम.एड., पाठ्यक्रमों का अध्यन शामिल हैं। खास बात यह है कि यहां एम.ए. के विद्यार्थियों को एक भारतीय या विदेशी भाषा भी पढ़ाई जाती है इसके साथ कम्प्यूटर में दक्ष किया जाता है।

यहां एम. के. अलावा भाषा प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स, तुलनात्मक साहित्य, परफॉर्मिंग आर्ट्स, गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, अनुवाद, प्रवासन एवं डायस्पोरा, जनसंचार, मानवविज्ञान, सोशल वर्क और शिक्षाशास्त्र में एम. फिल. पाठ्यक्रम हैं। भाषा प्रौद्योगिकी, गांधी एवं शांति अध्ययन, दलित एवं जनजाति अध्ययन, जनसंचार, मानवविज्ञान, सोशल वर्क, शिक्षाशास्त्र, हिंदी साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन में पीएच-डी. कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पी. जी. डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा में अनेक पाठ्यक्रम यहां उपलब्ध हैं। पीजी डिप्लोमा में भाषा शिक्षण, भाषाविज्ञान, भाषा-प्रौद्योगिकी, पीजीडीसीए, तुलनात्मक भारतीय साहित्य, भारतीय एवं पाश्चात्य कला तथा सौन्दर्यशास्त्र, गांधी अध्ययन, स्त्री अध्ययन, देशज संस्कृति भाषा और जेंडर, दलित विचार, बौद्ध अध्ययन, पालि भाषा एवं साहित्य, बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग, तिब्बती भाषा एवं धर्म, अनुवाद, प्रयोजनमूलक हिंदी, निर्वचन, भारतीय डायस्पोरा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, हिंदी पत्रकारिता, मराठी पत्रकारिता, एनजीओ प्रबंधन पाठ्यक्रम उपलब्ध है। डिप्लोमा पाठ्यक्रम में फोरेंसिक साइंस, योग एवं स्वास्थ्य अध्ययन, परामर्श एवं निर्देशन, मराठी, उर्दू, संस्कृत, पालि, अंग्रेजी, चीनी, स्नेनिश, जापानी, फ्रेंच तथा डीसीए शामिल है। सर्टिफिकेट के पाठ्यक्रमों में मराठी, उर्दू, संस्कृत, चीनी, स्पेनिश, जापानी, फ्रेंच, अंग्रेजी, भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन) उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए विवि की वेबसाइट www.hindivishwa.org देख सकते हैं या विवि के टोल फ्री. नंबर 18002332141 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावासों की सुविधा उपलब्ध है। पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत अनुकूल, पांच मनमोहक पहाडियों पर बसे विश्वविद्यालय का संपूर्ण परिसर वाई-फाई है। शोध की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों में नवाचार प्रयोगों को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक उपक्रम एवं योजनाएं यहां चलायी जाती हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से विद्यार्थियों में नई दृष्टि और बदलाव की दिशा का विकास किया जाता है। विद्यार्थी तकनीकी दृष्टि से सक्षम हो इसके लिए अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब, मीडिया तथा फिल्म स्टुडियो का निर्माण किया गया है। छात्रों को चिकित्सा सहायता भी दी जाती है। विदित हो कि भारतीय संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित इस केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों के अलावा अन्य देशों जैसे चीन, श्रीलंका, थाईलैंड, जर्मनी, जापान, बेल्जियम, रूस आदि देशों के भी विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं।